1. **नीचे दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से दीजिए :**

मनोवैज्ञानिक पर्यावरण का प्रदूषण कई कारकों से होता है। ये कारक जैविक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक हो सकते हैं। चूँकि सामाजिक पर्यावरण तथा मनोवैज्ञानिक पर्यावरण एक दूसरे पर आश्रित हैं तथा व्यक्ति का व्यक्तित्व दोनों पर्यावरणों की सहायता से विकसित होता है, अत: जैविक-मनोवैज्ञानिक के साथ-साथ सामाजिक कारक भी वैज्ञानिक प्रदूषण के लिए उतना ही जिम्मेदार रहता है। इनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय स्रोत इस प्रकार हैं-

जैविक कारकों में जैविक दशायें जैसे शरीर सम्बन्धी दीर्घकालीन रोग , पोषक तत्त्वों का अभाव, अत्यधिक संवेगात्मक तनाव, अधिक मद्यपान तथा मस्तिष्क कोषों की क्षति भी व्यक्ति को असामान्य बना देती है। दीर्घ-काल तक पोषक तत्त्वों की कमी तथा विश्राम के अभाव में व्यक्ति में अनेक प्रकार की असामान्यताएँ उत्पन्न हो जाती हैं और यही दशा यदि निरन्तर बनी रहे तो व्यक्ति साधारण कठिनाइयों का सामना करने में भी असमर्थ हो जाता है।

मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव में व्यक्ति तीव्र दबावपूर्ण मनोवैज्ञानिक दशाओं में अनेक द्वन्द्वों तथा निराशाओं का सामना करता है। ऐसे स्थिति में व्यक्ति के असामान्य होने की सम्भावना बढ़ जाती है। व्यक्ति की मुख्य मनोवैज्ञानिक आवश्यकता अपने आत्मसम्मान तथा अपनी उपयुक्तता सिद्ध करने की होती है। इनकी पूर्ति के लिए वह यथासम्भव प्रयास करता है। लेकिन अपराध भावनाएँ तथा असफलताएँ व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं पर बहुत प्रभाव डालती है तथा उसमें आत्म अवमूल्यन उत्पन्न करती हैं।

इसके साथ-साथ कुछ सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशायें, मान्यतायें एवं प्रथायें भी समाज में विद्यमान होती हैं जिनसे व्यक्ति समायोजन नहीं कर पाया है। तीव्र आर्थिक परिवर्तन, बेरोजगारी, युद्ध की आशंका, आपसी मतभेद, पक्षपात आदि ऐसे दोषयुक्त पारिवारिक परिवेश तथा कुछ ऐसी सामाजिक दशाऐं सामाजिक कारक के अन्तर्गत आती हैं जिनका समाधान नहीं निकलने पर व्यक्ति में मानसिक विकृतियाँ उत्पन्न होने की सम्भावना बढ़ जाती हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा मनोवैज्ञानिक पर्यावरण प्रदूषण का कारक नहीं है ?

(1) जैविक

(2) मनोवैज्ञानिक

(3) सामाजिक

(4) आध्यात्मिक

2. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से दीजिए :

मनोवैज्ञानिक पर्यावरण का प्रदूषण कई कारकों से होता है। ये कारक जैविक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक हो सकते हैं। चूँकि सामाजिक पर्यावरण तथा मनोवैज्ञानिक पर्यावरण एक दूसरे पर आश्रित हैं तथा व्यक्ति का व्यक्तित्व दोनों पर्यावरणों की सहायता से विकसित होता है, अत: जैविक–मनोवैज्ञानिक के साथ–साथ सामाजिक कारक भी वैज्ञानिक प्रदूषण के लिए उतना ही जिम्मेदार रहता है। इनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय स्रोत इस प्रकार हैं–

जैविक कारकों में जैविक दशायें जैसे शरीर सम्बन्धी दीर्घकालीन रोग , पोषक तत्त्वों का अभाव, अत्यधिक संवेगात्मक तनाव, अधिक मद्यपान तथा मस्तिष्क कोषों की क्षति भी व्यक्ति को असामान्य बना देती है। दीर्घ–काल तक पोषक तत्त्वों की कमी तथा विश्राम के अभाव में व्यक्ति में अनेक प्रकार की असामान्यताएँ उत्पन्न हो जाती हैं और यही दशा यदि निरन्तर बनी रहे तो व्यक्ति साधारण कठिनाइयों का सामना करने में भी असमर्थ हो जाता है।

मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव में व्यक्ति तीव्र दबावपूर्ण मनोवैज्ञानिक दशाओं में अनेक द्वन्द्वों तथा निराशाओं का सामना करता है। ऐसे स्थिति में व्यक्ति के असामान्य होने की सम्भावना बढ़ जाती है। व्यक्ति की मुख्य मनोवैज्ञानिक आवश्यकता अपने आत्मसम्मान तथा अपनी उपयुक्तता सिद्ध करने की होती है। इनकी पूर्ति के लिए वह यथासम्भव प्रयास करता है। लेकिन अपराध भावनाएँ तथा असफलताएँ व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं पर बहुत प्रभाव डालती है तथा उसमें आत्म अवमूल्यन उत्पन्न करती हैं।

इसके साथ–साथ कुछ सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशायें, मान्यतायें एवं प्रथायें भी समाज में विद्यमान होती हैं जिनसे व्यक्ति समायोजन नहीं कर पाया है। तीव्र आर्थिक परिवर्तन, बेरोजगारी, युद्ध की आशंका, आपसी मतभेद, पक्षपात आदि ऐसे दोषयुक्त पारिवारिक परिवेश तथा कुछ ऐसी सामाजिक दशाऐं सामाजिक कारक के अन्तर्गत आती हैं जिनका समाधान नहीं निकलने पर व्यक्ति में मानसिक विकृतियाँ उत्पन्न होने की सम्भावना बढ़ जाती हैं।

सामाजिक पर्यावरण और मनोवैज्ञानिक पर्यावरण एक दूसरे पर आश्रित हैं इसलिए –

(1) व्यक्ति का व्यक्तित्व सही प्रकार विकसित नहीं होता है।

(2) व्यक्ति का व्यक्तित्व इससे बाधित होता है।

(3) व्यक्ति का व्यक्तित्व दोनों पर्यावरणों की सहायता से विकसित होता है।

(4) सामाजिक कारकों से प्रदूषण बढ़ता है।

3. **नीचे दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से दीजिए :**

मनोवैज्ञानिक पर्यावरण का प्रदूषण कई कारकों से होता है। ये कारक जैविक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक हो सकते हैं। चूँकि सामाजिक पर्यावरण तथा मनोवैज्ञानिक पर्यावरण एक दूसरे पर आश्रित हैं तथा व्यक्ति का व्यक्तित्व दोनों पर्यावरणों की सहायता से विकसित होता है, अत: जैविक-मनोवैज्ञानिक के साथ-साथ सामाजिक कारक भी वैज्ञानिक प्रदूषण के लिए उतना ही जिम्मेदार रहता है। इनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय स्रोत इस प्रकार हैं-

जैविक कारकों में जैविक दशायें जैसे शरीर सम्बन्धी दीर्घकालीन रोग , पोषक तत्त्वों का अभाव, अत्यधिक संवेगात्मक तनाव, अधिक मद्यपान तथा मस्तिष्क कोषों की क्षति भी व्यक्ति को असामान्य बना देती है। दीर्घ-काल तक पोषक तत्त्वों की कमी तथा विश्राम के अभाव में व्यक्ति में अनेक प्रकार की असामान्यताएँ उत्पन्न हो जाती हैं और यही दशा यदि निरन्तर बनी रहे तो व्यक्ति साधारण कठिनाइयों का सामना करने में भी असमर्थ हो जाता है।

मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव में व्यक्ति तीव्र दबावपूर्ण मनोवैज्ञानिक दशाओं में अनेक द्वन्द्वों तथा निराशाओं का सामना करता है। ऐसे स्थिति में व्यक्ति के असामान्य होने की सम्भावना बढ़ जाती है। व्यक्ति की मुख्य मनोवैज्ञानिक आवश्यकता अपने आत्मसम्मान तथा अपनी उपयुक्तता सिद्ध करने की होती है। इनकी पूर्ति के लिए वह यथासम्भव प्रयास करता है। लेकिन अपराध भावनाएँ तथा असफलताएँ व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं पर बहुत प्रभाव डालती है तथा उसमें आत्म अवमूल्यन उत्पन्न करती हैं।

इसके साथ-साथ कुछ सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशायें, मान्यतायें एवं प्रथायें भी समाज में विद्यमान होती हैं जिनसे व्यक्ति समायोजन नहीं कर पाया है। तीव्र आर्थिक परिवर्तन, बेरोजगारी, युद्ध की आशंका, आपसी मतभेद, पक्षपात आदि ऐसे दोषयुक्त पारिवारिक परिवेश तथा कुछ ऐसी सामाजिक दशाऐं सामाजिक कारक के अन्तर्गत आती हैं जिनका समाधान नहीं निकलने पर व्यक्ति में मानसिक विकृतियाँ उत्पन्न होने की सम्भावना बढ़ जाती हैं।

निम्नलिखित में से कौन-सा जैविक कारकों में शामिल नहीं है?

(1) अत्यधिक संवेगात्मक तनाव

(2) अधिक मद्यपान

(3) पोषक तत्वों का अभाव

(4) स्वस्थ शरीर

4. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से दीजिए :

मनोवैज्ञानिक पर्यावरण का प्रदूषण कई कारकों से होता है। ये कारक जैविक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक हो सकते हैं। चूँकि सामाजिक पर्यावरण तथा मनोवैज्ञानिक पर्यावरण एक दूसरे पर आश्रित हैं तथा व्यक्ति का व्यक्तित्व दोनों पर्यावरणों की सहायता से विकसित होता है, अत: जैविक-मनोवैज्ञानिक के साथ-साथ सामाजिक कारक भी वैज्ञानिक प्रदूषण के लिए उतना ही जिम्मेदार रहता है। इनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय स्रोत इस प्रकार हैं-

जैविक कारकों में जैविक दशायें जैसे शरीर सम्बन्धी दीर्घकालीन रोग , पोषक तत्त्वों का अभाव, अत्यधिक संवेगात्मक तनाव, अधिक मद्यपान तथा मस्तिष्क कोषों की क्षति भी व्यक्ति को असामान्य बना देती है। दीर्घ-काल तक पोषक तत्त्वों की कमी तथा विश्राम के अभाव में व्यक्ति में अनेक प्रकार की असामान्यताएँ उत्पन्न हो जाती हैं और यही दशा यदि निरन्तर बनी रहे तो व्यक्ति साधारण कठिनाइयों का सामना करने में भी असमर्थ हो जाता है।

मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव में व्यक्ति तीव्र दबावपूर्ण मनोवैज्ञानिक दशाओं में अनेक द्वन्द्वों तथा निराशाओं का सामना करता है। ऐसे स्थिति में व्यक्ति के असामान्य होने की सम्भावना बढ़ जाती है। व्यक्ति की मुख्य मनोवैज्ञानिक आवश्यकता अपने आत्मसम्मान तथा अपनी उपयुक्तता सिद्ध करने की होती है। इनकी पूर्ति के लिए वह यथासम्भव प्रयास करता है। लेकिन अपराध भावनाएँ तथा असफलताएँ व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं पर बहुत प्रभाव डालती है तथा उसमें आत्म अवमूल्यन उत्पन्न करती हैं।

इसके साथ-साथ कुछ सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशायें, मान्यतायें एवं प्रथायें भी समाज में विद्यमान होती हैं जिनसे व्यक्ति समायोजन नहीं कर पाया है। तीव्र आर्थिक परिवर्तन, बेरोजगारी, युद्ध की आशंका, आपसी मतभेद, पक्षपात आदि ऐसे दोषयुक्त पारिवारिक परिवेश तथा कुछ ऐसी सामाजिक दशाऐं सामाजिक कारक के अन्तर्गत आती हैं जिनका समाधान नहीं निकलने पर व्यक्ति में मानसिक विकृतियाँ उत्पन्न होने की सम्भावना बढ़ जाती हैं।

निम्नलिखित में असंगत कथन है :

(1) मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव में व्यक्ति निराशाओं का सामना करता है।

(2) पोषक तत्वों की कमी के कारण व्यक्ति में अनेक प्रकार की असमानताएँ उत्पन्न हो जाती हैं।

(3) द्वन्द्व और निराशा से व्यक्ति के असामान्य होने की संभावना बढ़ जाती है।

(4) अपराध भावनाएँ तथा असफलताएँ व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं पर कोई प्रभाव नहीं डालती हैं।

5. नीचे दिए गए अवतरण को ध्यान से पढ़िए और उससे संबंधित प्रश्न का उत्तर विकल्पों में से दीजिए :

मनोवैज्ञानिक पर्यावरण का प्रदूषण कई कारकों से होता है। ये कारक जैविक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक हो सकते हैं। चूँकि सामाजिक पर्यावरण तथा मनोवैज्ञानिक पर्यावरण एक दूसरे पर आश्रित हैं तथा व्यक्ति का व्यक्तित्व दोनों पर्यावरणों की सहायता से विकसित होता है, अत: जैविक-मनोवैज्ञानिक के साथ-साथ सामाजिक कारक भी वैज्ञानिक प्रदूषण के लिए उतना ही जिम्मेदार रहता है। इनमें विशेष रूप से उल्लेखनीय स्रोत इस प्रकार हैं-

जैविक कारकों में जैविक दशायें जैसे शरीर सम्बन्धी दीर्घकालीन रोग , पोषक तत्त्वों का अभाव, अत्यधिक संवेगात्मक तनाव, अधिक मद्यपान तथा मस्तिष्क कोषों की क्षति भी व्यक्ति को असामान्य बना देती है। दीर्घ-काल तक पोषक तत्त्वों की कमी तथा विश्राम के अभाव में व्यक्ति में अनेक प्रकार की असामान्यताएँ उत्पन्न हो जाती हैं और यही दशा यदि निरन्तर बनी रहे तो व्यक्ति साधारण कठिनाइयों का सामना करने में भी असमर्थ हो जाता है।

मनोवैज्ञानिक कारकों के प्रभाव में व्यक्ति तीव्र दबावपूर्ण मनोवैज्ञानिक दशाओं में अनेक द्वन्द्वों तथा निराशाओं का सामना करता है। ऐसे स्थिति में व्यक्ति के असामान्य होने की सम्भावना बढ़ जाती है। व्यक्ति की मुख्य मनोवैज्ञानिक आवश्यकता अपने आत्मसम्मान तथा अपनी उपयुक्तता सिद्ध करने की होती है। इनकी पूर्ति के लिए वह यथासम्भव प्रयास करता है। लेकिन अपराध भावनाएँ तथा असफलताएँ व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं पर बहुत प्रभाव डालती है तथा उसमें आत्म अवमूल्यन उत्पन्न करती हैं।

इसके साथ-साथ कुछ सामाजिक एवं सांस्कृतिक दशायें, मान्यतायें एवं प्रथायें भी समाज में विद्यमान होती हैं जिनसे व्यक्ति समायोजन नहीं कर पाया है। तीव्र आर्थिक परिवर्तन, बेरोजगारी, युद्ध की आशंका, आपसी मतभेद, पक्षपात आदि ऐसे दोषयुक्त पारिवारिक परिवेश तथा कुछ ऐसी सामाजिक दशाऐं सामाजिक कारक के अन्तर्गत आती हैं जिनका समाधान नहीं निकलने पर व्यक्ति में मानसिक विकृतियाँ उत्पन्न होने की सम्भावना बढ़ जाती हैं।

निम्नलिखित में व्यक्ति की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को बहुत अधिक प्रभावित करने वाले घटक हैं :

(1) सामाजिक और सांस्कृतिक दशाएं

(2) अपराध भावनाएं एवं असफलताएं

(3) संवेगात्मक तनाव एवं मद्यपान

(4) विश्राम का अभाव एवं खाद्य पदार्थ

6. निम्नलिखित में से कौन-सी बोली पश्चिमी हिन्दी की नहीं है?

(1) खड़ी बोली

(2) छत्तीसगढ़ी

(3) ब्रजभाषा

(4) कन्नौजी

7. निम्नलिखित में असंगत युग्म है :

(1) लिखि कागद कोरे - अज्ञेय

(2) अर्द्धनारीश्वर - रामधारी सिंह दिनकर

(3) भारतीय संस्कृति के स्वर - महादेवी वर्मा

(4) विचार और विवेचन - अमृतलाल नागर

8. निम्नलिखित शब्द–युग्मों में से असंगत युग्म को चुनिए :

(1) आदमी – फ़ारसी

(2) अदालत – अरबी

(3) तोप – तुर्की

(4) पतलून – पोर्चुगीज

9. निम्नलिखित में 'वीसलदेव रासो' के रचयिता हैं :

(1) जगतिन

(2) चंद्रबरदाई

(3) नरपति नाल्ह

(4) सोमप्रभ सूरि

10. किसका विचार है कि 'संचार अनुभवों की साझेदारी है'?

(1) विल्बर श्रैम

(2) एन्टोनियो ग्राम्शी

(3) स्टुअर्ट हाल

(4) राबर्ट इ. पार्क

11. निम्नलिखित में से कौन–सा कथन संचार के बारे में सही नहीं है?

(1) संचार अन्तरक्रियात्मक प्रक्रिया है

(2) संचार–प्रक्रिया की शुरूआत स्त्रोत या संचारक से होती है

(3) रोज़मर्रा के जीवन में संचार की कोई विशेष आवश्यकता नहीं है

(4) आज संचार और जनसंचार के माध्यम हमारी अनिवार्य आवश्यकता बन गए हैं

12. संविधान के किस अनुच्छेद में लिखा है कि "संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रचार बढ़ाए उसका विकास करें जिससे वह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके"?

(1) 350

(2) 351

(3) 348

(4) 349

13. पत्रकारिता के निम्नलिखित सिद्धांतों में से कौन–सा ऐसा है जिसका पत्रकारिता की साख बनाए रखने के लिए पालन करना ज़रूरी नहीं है?

(1) तथ्यों की शुद्धिता

(2) वस्तुपरकता

(3) संतुलन

(4) पक्षधरता

14. हिन्दी साहित्य के इतिहास के आरंभिक काल को 'आदिकाल' किस इतिहासकार ने कहा है ?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) जार्ज ग्रियर्सन

(3) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

(4) रामकुमार वर्मा

15. हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल को 'गद्य काल' किस साहित्येतिहासकार ने कहा है ?

(1) श्यामसुंदर दास

(2) रामचंद्र शुक्ल

(3) रामकुमार वर्मा

(4) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

16. "आध्यात्मिक रंग के चश्मे आजकाल बहुत सस्ते हो गये हैं। उन्हें चढ़ाकर जैसे कुछ लोगों ने 'गीतगोविंद' के पदों को आध्यात्मिक संकेत बताया है, वैसे ही विद्यापति के इन पदों को भी"। प्रस्तुत विचार किस आलोचक के हैं ?

(1) रामचंद्र शुक्ल

(2) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

(3) रामविलास शर्मा

(4) शिवदानसिंह चौहान

17. 'गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग'। किसने कहा है ?

(1) गोरखनाथ

(2) राहुल सांकृत्यायन

(3) तुलसीदास

(4) सूरदास

18. 'जायसी ग्रंथावली' के संपादक हैं :

(1) किशोरीदास वाजपेयी

(2) रामचंद्र शुक्ल

(3) विजयदेव नारायण साही

(4) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

19. अमीर खुसरो निम्नलिखित में से किसके दौर में नहीं थे ?

(1) गयासुद्दीन बलबन

(2) अलाउद्दीन खिलजी

(3) कुतुबुद्दीन मुबारकशाह

(4) इब्राहीम लोदी

20. अपभ्रंश को 'पुरानी हिन्दी' कहने वाले लेखक हैं :

(1) चंद्रधर शर्मा गुलेरी

(2) रामचंद्र शुक्ल

(3) नामवर सिंह

(4) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

21. "इस समय आर्थिक दृष्टि से समाज में स्पष्ट रूप से दो श्रेणियाँ हो गयीं–एक तो उत्पादक वर्ग, जिसमें प्रधान रूप से किसान और किसानी से संबंध रखने वाली जातियाँ बढ़ई, लोहार, कहार, जुलाहा इत्यादि थीं और दूसरा दल भोक्ता (राजा, रईस, नवाब) या भोक्तृत्व का मददगार था।" प्रस्तुत कथन किस आलोचक का है ?

(1) मिश्रबंधु

(2) जार्ज ग्रियर्सन

(3) रामचंद्र शुक्ल

(4) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

22. नीचे दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक **स्थापना** (A) और दूसरा **तर्क** (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

स्थापना : (A) किसी काव्य में वर्णित किसी पात्र का किसी कुरूप और दु:शील स्त्री पर प्रेम हो सकता है।

तर्क : (R) क्योंकि उसी स्त्री के वर्णन द्वारा श्रृंगार रस का आलंबन खड़ा हो सकता है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही

(2) **(A)** सही और **(R)** गलत

(3) **(A)** और **(R)** दोनों गलत

(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

23. नीचे दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक **स्थापना** (A) और दूसरा **तर्क** (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

स्थापना : (A) श्रद्धा का व्यापार स्थल विस्तृत है।

तर्क : (R) क्योंकि प्रेम का व्यापार स्थल एकांत नहीं है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही

(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत

(3) **(A)** सही और **(R)** गलत

(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

24. नीचे दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक **स्थापना** (A) और दूसरा **तर्क** (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

स्थापना : (A) प्रेम का कारण बहुत कुछ अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है।

तर्क : (R) क्योंकि श्रद्धा का कारण अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही

(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत

(3) **(A)** सही और **(R)** गलत

(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

25. नीचे दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक **स्थापना** (A) और दूसरा **तर्क** (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

स्थापना : (A) मनुष्य अपने लिए संसार आप बनाता है।

तर्क : (R) क्योंकि संसार कहने-सुनने के लिए है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही

(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत

(3) **(A)** सही और **(R)** गलत

(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

26. नीचे दो कथन दिए गए हैं। इनमें एक **स्थापना** (A) और दूसरा **तर्क** (R) है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

स्थापना : (A) लोभ सामान्योन्मुखी होता है और प्रेम विशेषोन्मुख

तर्क : (R) क्योंकि कोई अच्छी चीज सुनकर दौड़ पड़ना लोभ है।

(1) **(A)** और **(R)** दोनों सही

(2) **(A)** और **(R)** दोनों गलत

(3) **(A)** सही और **(R)** गलत

(4) **(A)** गलत और **(R)** सही

27. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना केशवदास द्वारा रचित नहीं है?

(1) रामचंद्रिका

(2) रसिकप्रिया

(3) छंदावली

(4) विज्ञानगीता

28. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना तुलसीदास द्वारा रचित नहीं है?

(1) कृष्णगीतावली

(2) कवित्तरामायण

(3) कुंडलिया रामायण

(4) हनुमान्नाटक

29. 'सुरतिय, नरतिय, नागतिय, सब चाहत अस होय।
गोद लिए हुलसी फिरै, तुलसी सो सुत होय।।'
उपर्युक्त दोहा किस कवि द्वारा रचित है?

(1) तुलसीदास

(2) रहीमदास

(3) स्वामी अग्रदास

(4) नाभादास

30. ''यह मसीत यह देहरा सतगुरू दिया दिखाइ।
भीतर सेवा बंदगी बाहिर काहे जाइ।।''
प्रस्तुत काव्य पंक्तियों के रचियता हैं :

(1) रैदास
(2) कबीरदास
(3) दादूदयाल
(4) नामदेव

31. निम्नलिखित में से कौन–सी रचना कुतुबन द्वारा लिखित है?

(1) हंस जवाहिर
(2) इंद्रावती
(3) मृगावती
(4) चित्रावली

32. 'रैण गँवाई सोई कै, दिवसु गवाँइया खाइ।
हीरे जैसा जनमु है, कउड़ी बदले जाइ।।'
प्रस्तुत काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं :

(1) रैदास
(2) कबीर
(3) गुरूनानक
(4) सुंदरदास

33. निम्नलिखित में से 'अष्टछाप' के संस्थापक हैं :

(1) गोकुलनाथ
(2) विठ्ठलनाथ
(3) वल्लभाचार्य
(4) निंबार्काचार्य

34. निम्नलिखित में 'जहाँगीर–जस चंद्रिका' के रचयिता हैं :

(1) मतिराम
(2) केशवदास
(3) पद्माकर
(4) देव

35. निम्नलिखित में असंगत युग्म है :

(1) गढ़ कुंडार – वृंदावनलाल वर्मा
(2) तितली – जयशंकर प्रसाद
(3) अप्सरा – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(4) अलका – उदयशंकर भट्ट

36. निम्नलिखित में से कौन-सा उपन्यास स्वच्छंदतावादी नहीं है?

(1) विराटा की पद्‌मिनी – वृंदावनलाल वर्मा

(2) वाणभट्ट की आत्मकथा – हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

(3) चित्रलेखा – भगवती चरण वर्मा

(4) वैशाली की नगर वधू – चतुर्सेन शास्त्री

37. 'तारसप्तक' के कवियों में निम्नलिखित में से कौन-शामिल नहीं है?

(1) मुक्तिबोध

(2) त्रिलोचन

(3) प्रभाकर माचवे

(4) नेमिचंद जैन

38. काव्यशास्त्रीय विषय के अनुसार काव्यशास्त्र के परंपरा सम्मत कितने अंग माने जाते हैं?

(1) सात

(2) आठ

(3) नौ

(4) दस

39. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?

(1) ऐसा पद समूह जो पूर्ण अर्थ का वाचक है, वाक्य कहलाता है।

(2) काव्य के मूल प्रेरक तत्व को काव्य हेतु कहते हैं।

(3) प्रतिभा संपन्न कवि और उनकी प्रतिभा में भेद है।

(4) क्रोचे काव्य का एक मात्र हेतु 'अभिव्यक्ति' मानते हैं।

40. साहित्यदर्पणकार विश्वनाथ ने रूढ़ा लक्षणा के कितने भेद माने हैं?

(1) दस

(2) बारह

(3) पंद्रह

(4) सोलह

41. निम्नलिखित में 'प्रगतिवादी' समीक्षक नहीं हैं :

(1) शिवदान सिंह चौहान

(2) रामविलास शर्मा

(3) नामवर सिंह

(4) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी

42. निम्नलिखित में से किस आलोचक का मानना है कि छायावाद के गर्भ से ही प्रगतिवाद की शुरूआत हुई है?

(1) रामविलास शर्मा

(2) नामवर सिंह

(3) शिवदान सिंह चौहान

(4) शिवकुमार मिश्र

43. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना सुमित्रानंदनपंत की नहीं है?

(1) वीणा

(2) गीतिका

(3) पल्लव

(4) अतिमा

44. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना 'निराला' की नहीं है?

(1) परिमल

(2) अनामिका

(3) अणिमा

(4) अतिमा

45. निर्मल वर्मा की 'परिन्दे' को किस आलोचक ने हिन्दी में 'नयी कहानी' की पहली कृति माना है?

(1) नामवर सिंह

(2) रामविलास शर्मा

(3) शिवदान सिंह चौहान

(4) नगेन्द्र

46. 'मुर्दों का गाँव' किसका 'कहानी संग्रह' है?

(1) मोहन राकेश

(2) रांगेय राघव

(3) धर्मवीर भारती

(4) भीष्म साहनी

47. निम्नलिखित विलोम-शब्द युग्मों में कौन-सा असंगत है?

(1) आगत-निर्गत

(2) पाप-पुण्य

(3) ध्वंस-विध्वंस

(4) ताप-शीत

48. हिन्दी में 'प्रयोगवाद' का आरंभ करने वाला निम्नलिखित में से किसे माना जाता है?

(1) मुक्तिबोध

(2) अज्ञेय

(3) केदारनाथ सिंह

(4) रमेशचंद्र शाह

49. 'माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर।

कर का मनका डारि के, मन का मनका फेर।।

उपर्युक्त दोहे में प्रमुख अलंकार है –

(1) अनुप्रयास

(2) यमक

(3) श्लेष

(4) उत्प्रेक्षा

50. निम्नलिखित में असंगत विकल्प का चयन कीजिए :

(1) 'काव्यशोभाकराव धर्मान् अलंकारात प्रचक्षते' – दन्डी

(2) 'काव्यशोभाया : कर्तारो धर्मा गुणा:' – वामन

(3) 'अनलंकृती पुन: क्वापि' – मम्मट

(4) 'अलंकरोति इति अलंकार:' – भरतमुनि

51. ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद कितने माने गए हैं?

(1) तीन

(2) चार

(3) पाँच

(4) सात

52. अबला जीवन हाय! तुम्हारी यही कहानी

आंचल में है दूध और आँखों में पानी।''

प्रस्तुत पंक्तियों में कौन सी शब्द शक्ति है?

(1) व्यंजना शब्दशक्ति

(2) शुध्दा लक्षण लक्षणा साध्यवसाना

(3) रूढ़ा लक्षणा

(4) अभिधा शब्दशक्ति

53. निम्नलिखित में आग का पर्यायवाची नहीं है :

(1) दहन

(2) अग्नि

(3) अनिल

(4) पावक

54. निम्नलिखित में कृति और कृतिकार का असंगत युग्म है :

(1) अपने-अपने पिंजरे - मोहनदास नेमिशराय

(2) मेरा बचपन मेरे कंधों पर - श्यौराज सिंह बेचैन

(3) मणिकर्णिका - तुलसीराम

(4) नागफनी - धर्मवीर

55. निम्नलिखित में से किस शब्द में विसर्ग संधि है ?

(1) दुरुपयोग

(2) राजाज्ञा

(3) महोदय

(4) गिरीश

56. निम्नलिखित में से कौन-सा व्यंजन तालव्य व्यंजन नहीं है ?

(1) छ

(2) थ

(3) ज

(4) झ

57. 'हस्तलिखित' में समास है :

(1) तत्पुरूष समास

(2) कर्मधारय

(3) द्विगु

(4) बहुब्रीहि

58. निम्नलिखित में गुण संधि वाला शब्द है :

(1) मतैक्य

(2) गिरीश

(3) षडानन

(4) परोपकार

59. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रयुक्ति प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्ति में शामिल नहीं है ?

(1) कार्यालयीन प्रयुक्ति

(2) वाणिज्य और व्यापार की प्रयुक्ति

(3) जनसंचार की प्रयुक्ति

(4) खेल-कूद की प्रयुक्ति

60. 'समय सरगम' उपन्यास की लेखिका हैं :

(1) कृष्णा सोबती

(2) मन्नू भंडारी

(3) मृदुला गर्ग

(4) उषा प्रियवंदा

61. 'बलचनमा' उपन्यास के लेखक हैं :

(1) नागार्जुन

(2) मैत्रैयी पुष्पा

(3) निराला

(4) प्रसाद

62. निम्नलिखित में से मुंशी सदासुखलाल नियाज़ की रचना है :

(1) मुंतखबुत्तवारीख

(2) नासिकेतोपाख्याज

(3) प्रेमसागर

(4) माधव विलास

63. निम्नलिखित में से 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक थे ?

(1) भारतेन्दु हरिश्चंद्र

(2) प्रतापनारायण मिश्र

(3) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(4) श्यामसुंदर दास

64. 'ग्यारह वर्ष का समय' कहानी के लेखक हैं :

(1) वृंदावनलाल वर्मा

(2) अध्यापक पूर्ण सिंह

(3) रामचंद्र शुक्ल

(4) जयशंकर प्रसाद

65. 'त्याग-पत्र' उपन्यास के रचयिता हैं :

(1) जैनेन्द्र

(2) अज्ञेय

(3) प्रेमचंद

(4) भीष्म साहनी

66. 'काव्य की भूमिका' पुस्तक के लेखक हैं :

(1) रामधारी सिंह दिनकर

(2) सुमित्रा नंदन पंत

(3) अज्ञेय

(4) शिवदास सिंह चौहान

67. निम्नलिखित में तत्सम शब्द नहीं है :

(1) आज्ञा

(2) राजा

(3) अग्नि

(4) राय

68. निम्नलिखित में भारतेन्दु हरिश्चंद्र का नाटक नहीं है :

(1) सत्य हरिश्चंद्र (अनूदित)

(2) भारत दुर्दशा

(3) नील देवी

(4) पद्मावती

69. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक लक्ष्मी नारायण लाल द्वारा रचित नहीं है?

(1) सीमांत के बादल

(2) मादा कैक्टस

(3) अंधा कुआँ

(4) सूखा सरोवर

70. 'माटी की मूरतें' निम्नलिखित में से किसकी रचना है?

(1) हरिकृष्ण प्रेमी

(2) रामवृक्ष वेनीपुरी

(3) महादेवी वर्मा

(4) रांगेय राघव

71. 'आवारा मसीहा' किस प्रकार की रचना है?

(1) आंचलिक उपन्यास

(2) जीवनीपरक उपन्यास

(3) संस्मरण

(4) रेखाचित्र

72. 'सीढ़ियों पर धूप में' निम्नलिखित में से किसका कविता संग्रह है?

(1) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

(2) रघुवीर सहाय

(3) अशोक वाजपेयी

(4) केदारनाथ सिंह

73. 'कबिरा खड़ा बजार में' किसकी रचना है?

(1) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

(2) नागार्जुन

(3) भीष्म साहनी

(4) कुंवर नारायण

74. 'बकरी' नाटक के रचयिता हैं :

(1) भीष्म साहनी

(2) लक्ष्मीनारायण लाल

(3) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

(4) मोहन राकेश

75. विश्वनाथ त्रिपाठी द्वारा लिखित कृति 'नंगा तलाई का गाँव' किस तरह की रचना है?

(1) कथात्मक संस्मरण

(2) जीवनीपरक उपन्यास

(3) रेखाचित्र

(4) आत्मकथा

76. 'सुधियाँ उस चंदन के वन की' संस्मरण के रचियता है :

(1) रघुवीर सहाय

(2) विष्णुकांत शास्त्री

(3) कृष्ण बिहारी मिश्र

(4) केशवचंद्र वर्मा

77. 'एक साहित्यिक की डायरी' के रचयिता हैं :

(1) अज्ञेय

(2) मुक्तिबोध

(3) त्रिलोचन

(4) यशपाल

78. निम्नलिखित में से किस–किसके आज़ादी के आंदोलन में पत्रकार की भी भूमिका निभायी ?

(1) महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, रामधारी सिंह दिनकर

(2) लोकमान्य तिलक, लाला लाजपत राय और अज्ञेय

(3) महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक और मदन मोहनमालवीय

(4) लोकमान्य तिलक, जवाहरलाल नेहरू और लाला लाजपत राय

79. भारत में दूरदर्शन पर रंगीन प्रसारण का आरंभ कब हुआ ?

(1) 1980

(2) 1981

(3) 1982

(4) 1984

80. हिन्दी की पहली 'आत्मकथा' निम्नलिखित में से किसको माना जा सकता है ?

(1) मेरी असफलताएँ

(2) मेरी जीवन–यात्रा

(3) आत्मनिरीक्षण

(4) मेरा जीवन प्रवाह